एक नजर में

राठौर समाज शुजालपुर को मिला नया अध्यक्ष

शुजालपुर, 28 जुलाई . राठौर समाज शुजालपुर की बैठक स्थानीय राम मंदिर परिसर में आयोजित की गई. बैठक में समाज के विभिन्न पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे. चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्मल राठौर को राठौर समाज शुजालपुर का नया अध्यक्ष चुना गया. समाज के पूर्व अध्यक्ष कमलेश राठौर ने बैठक में निर्मल राठौर के अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा की. इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं. नवनियुक्त अध्यक्ष निर्मल राठौर ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए समाज के विकास, संगठन की मजबूती और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सभी के सहयोग से कार्य करने का विश्वास दिलाया. बैठक के समापन पर समाज के सदस्यों एवं नगरवासियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की.

सामाजिक मुद्दों पर सामूहिक कार्रवाई व ग्रामसभा की भूमिका पर प्रशिक्षण

शुजालपुर, 28 जुलाई . कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी उज्जैन के तत्वावधान में केंद्र जामनेर के ग्राम अकलपुरबिनी में सामाजिक मुद्दों पर सामूहिक कार्रवाई एवं ग्रामसभा की भूमिका विषय पर प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई. बैठक में कम्युनिटी एजुकेटर अमरसिंह राजपूत ने ग्रामीणों को सड़क, बिजली, पानी, प्रधानमंत्री आवास, बीपीएल कार्ड और उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक रूप से पंचायत से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक आवेदन एवं जनसुनवाई में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने ग्राम विकास के लिए माइक्रो प्लान तैयार करने तथा ग्रामसभा में सक्रिय भागीदारी के महत्व पर भी प्रकाश डाला. प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका, ग्रामसभा की उपयोगिता और वर्ष में आयोजित होने वाली चार अनिवार्य ग्रामसभाओं की जानकारी दी गई. अमरसिंह राजपूत ने उपस्थित ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया.

बाहरी हाई वॉल्यूम डीजे पर रोक लगाने की मांग

शुजालपुर, 28 जुलाई . धार्मिक आयोजनों में बाहरी शहरों से आने वाले हाई वॉल्यूम डीजे पर रोक लगाने की मांग को लेकर शुजालपुर डीजे यूनियन ने थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों में बाहर से आने वाले कुछ डीजे संचालक अत्यधिक ध्वनि स्तर पर साउंड सिस्टम संचालित करते हैं. इससे स्थानीय डीजे संचालकों के बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा की स्थिति बनती है और कई बार विवाद की आशंका भी बढ़ जाती है. साथ ही तेज आवाज से आमजन को परेशानी होने के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता है. यूनियन का कहना है कि बाहरी डीजे कार्यक्रम समाप्त होने के बाद शहर से चले जाते हैं, जबकि यदि किसी प्रकार की कार्रवाई होती है तो उसका प्रभाव स्थानीय डीजे संचालकों पर पड़ता है. उन्होंने बताया कि स्थानीय संचालक प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए साउंड सिस्टम का संचालन करते हैं. डीजे यूनियन ने पुलिस प्रशासन से धार्मिक आयोजनों में बाहरी हाई वॉल्यूम डीजे के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की.

तिहलनी फसलों के उत्पादन के बताए लाभ

शाजापुर, 28 जुलाई . कृषि विज्ञान केंद्र राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन अंतर्गत कृषि विभाग के सहयोग से दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम दुहानी में बायो इनपुट सेंटर प्रभारी विरेन्द्र सिंह राजपूत की अध्यक्षता में किया गया. कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एसएस धाकड़, डॉ. गायत्री वर्मा रावल, डॉ.मुकेश सिंह उपस्थित रहे. कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक हरीसिंह देवड़ा, ईश्वर सिंह राजपूत एवं 50 से अधिक प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे. कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. गायत्री वर्मा रावल, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र शाजापुर द्वारा कृषकों को तिलहन योजनान्तर्गत कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी रूपरेखा से अवगत कराते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे किसानों के हित में कार्यों एवं विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया तथा कृषकों को तिलहनी फसलों के रकबे को बढ़ाने हेतु फसल विविधीकरण अंतर्गत सोयाबीन, तिल, मूंगफली, कुसुम, सूरजमुखी एवं सरसों इत्यादि फसलों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, साथ ही उनके प्रसंस्करण एवं स्वरोजगार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया. इस दौरान केन्द्र प्रमुख डॉ.धाकड़ द्वारा तिलहनी फसलों हेतु उन्नत किस्मों चयन के साथ समन्वित पोषण प्रबंधन, भूमि एवं जल संरक्षण एवं यांत्रिक खरपतवार प्रबंधन एवं समुचित पौध संरक्षण के उपाय करें जिससे बोई गई फसलों की उत्पादकता बढ़ सके. इस दौरान उन्होंने उन्नत कृषि यंत्रों की उपयोगिता विशेषकर फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी दी. इसके साथ ही कृषकों को विभिन्न कृषि यंत्रों के उपयोग अंतर्गत मिट्टी पलट हल, रोटावेटर, भूमि समतलीकरण हेतु लेजर लेवल कर वर्षा जल संचयीकरण एवं समुचित उपयोग संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई. डॉ.मुकेश सिंह ने बताया कृषक फसल की आवश्यकतानुसार पोषक तत्वों का प्रयोग मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार करें एवं खरीफ फसलों में समन्वित कीट प्रबंधन की जानकारी दी. साथ ही तिलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा मधुमक्खी पालन हेतु प्रेरित किया गया. साथ ही उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती की विस्तार से जानकारी दी. किसानों की समसामायिक समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया. कार्यक्रम के पश्चात प्रगतिशील एवं प्राकृतिक खेती कर रहे कृषक विरेन्द्र सिंह राजपूत, बायो रिसोर्स सेन्टर एवं प्राकृतिक यूनिट का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया. साथ ही कृषक के अंतर में ग्राम के पंच हरीसिंह देवड़ा एवं ईश्वर सिंह राजपूत द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुये ग्रामीण जन एवं कृषकों को कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिकों द्वारा दी गई तकनीकी सलाह को व्यवहारिक रूप से अपनाए जाने हेतु प्रेरित किया गया.

लाइट गुल, रास्ता ठप्प, पैर जमाओ, तो कीचड़ में गप

पूरा शहर कीचड़ का टापू बना, विपक्ष मौन, सत्ता पक्ष सुस्त

शाजापुर, 28 जुलाई. शाजापुर शहर में इन दिनों लाइट की आंख मिचौली, अंधेरी सड़कें, कीचड़ के टापू और खामोश खुशी शाजापुर शहर की किस्मत बन गई है. लाइट का आलम यह है कि कभी मेंटेनेंस के नाम पर, कभी आंधी-तूफान के नाम पर कभी भी लाइट चली जाती है, जिसमें रविवार को बिजली विभाग ने मानो कटौती के नाम पर स्थायी परमिट ले लिया हो. वहीं दूसरी ओर शहर में एबी रोड के चौड़ीकरण को लेकर पूरे हाईवे पर कीचड़ का साम्राज्य है. गर्मी में शहरीकरण को पहले दुरुस्त करना था, तो उसे छोड़कर बाहरी क्षेत्र को किया. जब बरसात का सीजन आया, तो शहर में जगह-जगह पाइप लाइन खुदाई के नाम पर कीचड़ से सराबोर है. हाईवे पर दुकानदार परेशान हैं. उनकी दुकान के सामने पाइप लाइन के नाम पर खुदाई कर दी गई है, तो सड़कें कीचड़ से सराबोर हैं.

गौरतलब है कि शाजापुर शहर में इन दिनों प्रवेश करते ही ऐसा लगता है जैसे खेत में आ गए हों. पूरे हाईवे पर कीचड़ का साम्राज्य है. कोई सुनने वाला नहीं है. शाजापुर नगर पालिका पाइप लाइन तो जगह-जगह खोद रही है, लेकिन खुदाई के बाद उसे दुरुस्त करने का समय नहीं है. जनता की परीक्षा चल रही है और नेताओं की चुप्पी समझ से परे है. हाईवे पर पैदल चलना भीकिसी स्टंट से कम नहीं है. कब कौन सी गाड़ी फिसल जाए, कब कौन सा गड्ढा किसे अपना शिकार बना ले, कह नहीं सकते हैं. व्यापारी परेशान हैं, क्योंकि कीचड़ से व्यापार ठप्प है. लेकिन इन सबके बीच यदि कोई सबसे बेफिक्र और खुश नजर आता है तो वो है हमारे स्थानीय नेता और जनप्रतिनिधि.

▶ घटिया निर्माण और जगह-जगह गड्ढों को लेकर अब आंदोलन की जरूरज...

विपक्ष कांग्रेस और सत्ता पक्ष से अब उम्मीद करना बेमानी होगी . इसलिए जेन जी को शाजापुर के घटिया निर्माण और गड्ढों के लिए आंदोलन करने की आवश्यकता है . जिस प्रकार शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक को लेकर युवाओं ने आंदोलन किया था . तो शाजापुर के युवाओं से भी आह्वान है कि वे शाजापुर नगर के अव्यवस्थित खुदाई और कीचड़ व घटिया निर्माण के खिलाफ आंदोलन करें .

लाइट से हो गए हैं परेशान

एक तरफ मानसून की बेरूखी, दूसरी तरफ बेमौसम, बेसमय लाइट का जाना जनता को परेशान कर रखा है. शनिवार-रविवार तो मानो लाइट बंद करने के लिए स्थायी परमिट मिल गया हो. जब जिला मुख्यालय पर लाइट की ये स्थिति है, तो गांव में तो बिजली का अंदाजा लगा सकते हैं कि वहां क्या हाल होंगे. अधिकारियों को परेशानी न हो, इसलिए शनिवार और रविवार अवकाश के दिन लाइट बंद की जाती है. यदि बिजली विभाग में हिम्मत है, तो वह कार्यालयीन दिवस में लाइट बंद करके देखें. तो अधिकारियों को भी पता चलेगा कि बिना लाइट के जनता कैसे रहती है.

सड़क से कीचड़ हटाना किसकी जवाबदारी

बारिश के मौसम में सड़क निर्माण के बाद कीचड़ की सफाई और सड़कों की मरम्मत की प्राथमिकता यूं तो नगर पालिका की है, लेकिन नगर पालिका को इससे कोई लेना-देना नहीं है . नेताओं और अफसरों की इस उदासीनता का खामियाजा जनता भुगत रही है . लगता है कि नेता की इस खुशी और जनता की इस परेशानी के बीच का अंतर अब खत्म नहीं होगा . शाजापुर की जनता अपने हक के लिए सड़कों का कीचड़ साफ करने के लिए एक आंदोलन की आवश्यकता है . अधिकारी और नेताओं को चाहिए कि कागजी समीक्षाओं से बाहर आकर हाईवे पर फैली दलदल की सड़कों से जनता को निजात दिलाएं .

सरकार कहती है नशा छोड़ो, दूसरी तरफ लाइसेंस देकर खुद कहती है इसे जरूर चखो...

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

इन दिनों पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान चल रहा है, लेकिन सरकार ने इस नशा मुक्ति अभियान में शराब और भांग को नशे से दूर रखकर सरकार ने महापाप से अपने आप को बचा लिया है. भांग को समाज की परंपरा का तमगा मिला, तो समय-समय पर नशे की परिभाषा सुविधा अनुसार तय होती रही है. सड़क किनारे बैठकर कोई देशी-अंग्रेजी शराब पीकर झूमता नजर आए, तो समाज तुरंत नाक-भौंहे सिकोड़ लेता है और उसे गाली देता है. भाषण दिए जाते हैं कि शराब कैसे घर उजाड़ती है, यह सेहत की दुश्मन है. यहां तक तो सब ठीक चलता है, लेकिन अगली गली के नुक्कड़ पर आपको एक दुकान पर लिखा मिल जाएगा सरकारी भांग का ठेका. वह भांग जिसे पीकर इंसान तीन दिन तक अपनी हंसी नहीं रोक पाता है. दीवार को घूरते-घूरते दर्शन शास्त्र का प्रोफेसर बन जाता है, लेकिन इसे नशा कहना महापाप है. समाज आपको तुरंत टोक देगा कि भाई भांग को नशा क्यों बोलते हो, ये तो प्रसाद है. इसमें तो जड़ी -बूटियां होती है, जो पेट साफ करती है. ये गजब का लॉजिक है. अगर शराब को किसी मिट्टी के कुल्हड़ में घोलकर औषधि बोल दिया जाए, तो लीवर भी उसे दुआएं देने लगेगा. नशे की सरकारी और समाज की ढाल और अभियानों की टाइमिंग भी कमाल की है. पूरे साल नशा मुक्त समाज का ढोल पीटा जाता है और त्योहारों पर भांग के पकोड़े, लस्सी, मिठाई ऐसे बांटी जाती है, जैसे मल्टी विटामिन टॉनिक बांटा जा रहा हो. शराब पीकर नाली में गिरो, तो आप शराबी हैं. भांग पीकर नाली में गिरकर आप आसमान के तारे गिनो, तो आप भक्त हैं. क्या सुविधाजनक बंटवारा है. जरा सोचिए जो दिमाग को सुन्न कर दे, आपके सोचने समझने की क्षमता छीन ले, गाड़ी चलाते समय आपको दुर्घटना का शिकार बना दे, ये नशा नहीं तो क्या है. भांग को नशे से इसलिए दूर रखा है, क्योंकि इस पर पुरानी परंपरा या धर्म का रैपर चढ़ा दिया गया है. अभियान भी तमाशा, नशा भी तमाशा, नशामुक्ति अभियान चलाने वाली सरकार भी बड़ी मासूम है. शराब की बोतल पर, सिगरेट के पैकेट पर चेतावनी लिखी जाती है, लेकिन भांग के ठेके के बाहर पोस्टर लगा होता है कि ताजी भांग उपलब्ध है. एक तरफ सरकार कहेगी नशा छोड़ो, दूसरी तरफ खुद लाइसेंस देकर कहेगी इसे जरूर चखो. नशा कोई भी हो, बोतल से निकले, चिलम से निकले या ठंडाई से निकले, वो दिमाग को बेवकूफ ही बनाता है.

न जाने के लिए पार्ट अदा कर रहे हैं पाटिल

शाजापुर तहसीलदार सुनील पाटिल को सरकार ने पहले हटाया था, फिर वे न्यायालय की शरण में गए थे. एक बार फिर सरकार ने उन्हें तहसीलदार से हटाया, तो उन्हें कुर्सी से इस कदर मोह हो गया कि वे इस कुर्सी को छोड़ना ही नहीं चाहते हैं. यही कारण है कि वे चार्ज देने के पहले ही छुट्टी पर चले गए. अब देखना है कि शाजापुर तहसीलदार सुनील पाटिल छुट्टी से लौटने के बाद चार्ज देते हैं या फिर न जाने के लिए कोई नया पार्ट अदा करते हैं.

कराड़ा परिवार की तीसरी पीढ़ी राजनीतिक मैदान में...

कांग्रेस की राजनीति की बात करें, तो हुकुमसिंह कराड़ा विधायक-मंत्री रहे. फिर राजनीति में उनके पुत्र राजकुमार कराड़ा ने जिला पंचायत सदस्य बनकर राजनीति की शुरुआत की. अब उनके पोते ने तीसरी पीढ़ी के रूप में छात्र संगठन एनएसयूआई जिलाध्यक्ष के रूप में ज्वॉइन किया. हालांकि उनके एक भतीजे जनपद अध्यक्ष हैं. एक भतीजे सरपंच हैं. याने लगभग सभी पद मौजूद हैं. अब रही बात कार्यकर्ताओं की, तो उन्हें स्वागत और हार-फूल पहनाने की अतिमहत्वपूर्ण जिम्मेदारी से नवाजा है.

अंत में...

अजीब पाखंड है साहब, इस दौर की सियासत का... नशे की हर लत पर पहरा है, मगर शराब पर इनायत का...

राजराजेश्वरी महिला नागरिक सहकारी बैंक के निर्वाचन निर्विरोध संपन्न

शाजापुर, 28 जुलाई. उज्जैन संभाग की पहली महिला बैंक राजराजेश्वरी महिला नागरिक सहकारी बैंक के निर्वाचन मंगलवार को निर्विरोध सम्पन्न हुए.

जिसमें श्रीमती लवलीम गिरी अध्यक्ष, श्रीमती रुपाली माहेश्वरी उपाध्यक्ष पर एवं नीरा वर्मा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक प्रतिनिधि, श्रीमती अर्चना पाटीदार, श्रीमती शशि बाला मालवीय जिला सहकारी संघ प्रतिनिधि संचालक पद पर श्रीमती मिली श्रीमाल, श्रीमती दीप्ति दुबे, श्रीमती ज्योति पाण्डे, श्रीमती रेखा सोनी, श्रीमती नविद कुंवर निर्विरोध निर्वाचित हुई. बैंक परिसर में निर्विरोध निर्वाचन अधिकारी बीएस भंवर द्वारा सम्पन्न कराए गए. इस अवसर पर बैंक प्रबंधक गोविंद सिंह गौतम, सुजीत सोनी व अन्य सदस्य उपस्थित थे.

गुरुपूर्णिमा पर आस्था का उल्लास, भैरव मंदिरों में उमड़ेंगे श्रद्धालु

गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूजन व गुरू दीक्षा संस्कार, शिक्षण संस्थानों में भी होंगे विशेष आयोजन

शुजालपुर, 28 जुलाई. गुरु-शिष्य परंपरा के महापर्व गुरुपूर्णिमा पर बुधवार को शहर और आसपास का क्षेत्र श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग जाएगा. सुबह से मंदिरों, आश्रमों और शिक्षण संस्थानों में गुरु पूजन, यज्ञ, प्रवचन, सत्संग और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे. क्षेत्र में इस पर्व पर भैरव उपासना की विशेष परंपरा होने से विभिन्न भैरव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी.

शहर के भैरव मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन, अभिषेक और प्रसाद वितरण होगा. श्रद्धालु भगवान भैरव के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना करेंगे. मंदिरों में सुबह से देर शाम तक दर्शनार्थियों की आवाजाही बनी रहेगी.इधर गायत्री शक्तिपीठ शुजालपुर में गुरुपूर्णिमा पर्व पर प्रातः सामूहिक उपासना, गुरु पूजन, यज्ञ, प्रवचन और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस अवसर पर गुरूदीक्षा संस्कार भी होगा, जिसमें श्रद्धालु गायत्री परिवार की साधना और संस्कार परंपरा से जुड़ने का संकल्प लेंगे. शक्तिपीठ परिवार ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है. वहीं शहर के शिक्षण संस्थानों में भी गुरुपूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा. मां शारदा सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विशेष समारोह आयोजित होगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार करेंगे, जबकि मानस मर्मज्ञ पं. श्याम मनावत मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व पर उद्बोधन देंगे. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गुरुपूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाई जाती है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है. इस दिन श्रद्धालु अपने गुरु का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और ज्ञान, संस्कार तथा जीवन मूल्यों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं.

कॉलेज में प्रवेश का अंतिम मौका, 31 तक होंगे आवेदन

शाजापुर, 28 जुलाई. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में कॉलेज लेवल काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है. ऐसे विद्यार्थी, जिन्होंने अभी तक ई प्रवेश पोर्टल पर पंजीयन या कॉलेज चयन नहीं किया है वे निर्धारित तिथि से पहले आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर लें. विभाग ने विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान करते हुए प्रवेश प्रक्रिया की समय सीमा 31 जुलाई तक बढ़ाई है. ई प्रवेश जिला नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुमार बोड़ाने ने बताया कि जिन विद्यार्थियों को अब तक प्रवेश नहीं मिल पाया है या जिन्होंने आवेदन नहीं किया है, उनके लिए यह अंतिम अवसर है, उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता, समग्र आईडी, अंकसूची सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर लें क्योंकि अंतिम दिनों में पोर्टल पर अधिक ट्रैफिक रहने से तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं इसलिए विद्यार्थी अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते आवेदन एवं प्रवेश संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर लें, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका प्रवेश सुनिश्चित हो सके.

कलेक्टर ने प्रावि का लोकार्पण किया

शाजापुर,28 जुलाई. कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने ग्राम रिंगिनीखेड़ा में ग्राम पंचायत के सहयोग से नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय का लोकार्पण फीता काटकर किया. इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री बाफना ने विद्यालय की दोनों शिक्षिकाएं श्रीमती रेखा बिजोलिया और अनुसुइया दाधीच के द्वारा शिक्षा क्षेत्र में निरंतर किया जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा विद्यालय के छात्र विरेंद्र सिंह सिसोदिया को जिले की प्रवीण सूची में आने पर उनके माता पिता के साथ सम्मानित भी किया गया. इस अवसर विद्यालय में कन्या भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें कलेक्टर सुश्री बाफना ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन भी किया. इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री मनीषा वास्कले, डीपीसी राजेन्द्र शिप्रे, बीआरसी, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी, संस्था प्रधान श्रीमती रेखा बिजोरिया, सरपंच सहित विद्यालयीन स्टॉफ, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक एवं ग्रामीणउपस्थित थे.

खिलाडियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई- शाजापुर, पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में नशामुक्त भारत बनाने, उत्तम स्वास्थ के लिए नशे से है दूरी जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत कार्यालय खेल और युवा कल्याण विभाग जिला शाजापुर के अधिनस्थ संचालित मलखंब जिम्नास्टिक प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें खिलाडियो को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई. इस मौके पर जिला खेल अधिकारी, जितेन्द्र शर्मा, लोकेश नायक, गौरव वर्मा आदि उपस्थित थे.

एक नजर में ▶ दो मिनट तक रेकी, फिर कुछ ही समय में बाइक लेकर फरार, उसी रात स्वप्न सिटी से भी दूसरी बाइक चोरी

शुजालपुर में श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच बाइक चोरी

शुजालपुर, 28 जुलाई. मंडी क्षेत्र में बाइक चोरों का गिरोह बेखौफ नजर आ रहा है. सोमवार शाम मंडी स्थित श्रीराम मंदिर के सामने श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच बदमाशों ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया. पूरी घटना करीब 2.45 मिनट तक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है. वहीं उसी रात स्वप्न सिटी कॉलोनी से भी एक अन्य बाइक चोरी हो गई. एक ही रात में दो बाइक चोरी होने से पुलिस की गश्त और जांच की रफ्तार पर सवाल उठने लगे है.

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार शाम करीब 7.30 बजे इमलीखेड़ा निवासी तेजस्व परमार अपनी हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक से श्रीराम मंदिर दर्शन करने पहुंचे. बाइक मंदिर के बाहर खड़ी कर वे अंदर चले गए. इसी दौरान मंदिर के ओटले के पास बैठे दो संदिग्ध युवकों की गतिविधियां शुरू हो गईं. फुटेज में दिखाई देता है कि एक युवक पहले कई बार मंदिर के मुख्य द्वार की ओर देखकर यह सुनिश्चित करता है कि बाइक मालिक अंदर ही है. इसके बाद वह जेब से कथित मास्टर की निकालकर बाइक का लॉक खोलने का प्रयास करता है. इस बीच श्रद्धालुओं और राहगीरों की आवाजाही लगातार बनी रहती है, जिससे आरोपी कुछ देर तक सामान्य व्यक्ति की तरह इधर उधर टहलता और मौके का इंतजार करता है. मौका मिलते ही वह मंदिर के बाहर भगवान को नमन करने का आभास देता है, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो. इसके तुरंत बाद वह बाइक स्टार्ट करता है और उसका साथी पीछे बैठकर दोनों मौके से फरार हो जाते हैं. पीड़ित तेजस्व परमार ने बाइक तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा. इसके बाद मंडी थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई. चोरी गई बाइक की अनुमानित कीमत करीब 13 हजार रुपए है. उधर, दूसरी वारदात स्वप्न सिटी फेस.1 कॉलोनी में हुई. गिरीश शर्मा ने अपनी होंडा शाइन बाइक रात करीब 10 बजे घर के बाहर खड़ी की थी. मंगलवार सुबह बाइक गायब मिली. आसपास तलाश के बाद भी पता नहीं चलने पर उन्होंने भी मंडी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई.

▶ 24 घंटे बाद भी नहीं देखे सीसीटीवी फुटेज

मंदिर के सामने हुई वारदात का घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद होने के बावजूद घटना के 24 घंटे बाद तक पुलिस ने फुटेज का अवलोकन नहीं किया था . मामले के विवेचक एएसआई बिली चदान कुंजूर ने बताया कि मौके का मुआयना कर लिया गया है . अभी सीसीटीवी फुटेज नहीं देखे गए हैं . मंदिर समिति से चर्चा कर फुटेज प्राप्त किए जाएंगे तथा आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जाएगी . पुलिस के इस जवाब के बाद जांच की गति को लेकर सवाल उठ रहे हैं . स्थानीय लोगों का कहना है कि जब वारदात कैमरे में कैद है तो शुरुआती जांच में ही फुटेज देखकर आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश तेज की जा सकती थी . लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं ने लोगों की चिंता और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल दोनों बढ़ा दिए हैं .